PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Hindustan, Delhi

Thursday, 8th December 2011, Page: 11

Width: 10.85 cms Height: 6.92 cms, Ref: pmin.2011-12-08.49.75

नौकरियों पर नहीं संकट, नए अवसर भी!

कृषि और संबद्ध क्षेत्र अब भी सबसे बड़ा रोजगारदाता है। लगभग 21 करोड़ लोगों की रोजी-रोटी इससे जुड़ी है, जबकि गैर कृषि क्षेत्र में 19 करोड़ लोगों को रोजगार प्राप्त है। सितंबर 2008 की मंदी के चलते रोजगार के अवसरों का विस्तार थमा था, लेकिन सरकार के प्रोत्साहन पैकेज के जरिये उबरे उद्योग जगत में फिर से नौकरियों की बहार आयी। अब तक प्रमुख कॉलेजों में कैंपस प्लेसमेंट औसत रहा है। वैसे ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा ने कृषि और संबंद्ध क्षेत्रों में लगे मजदूरों के लिए एक बेहतर विकल्प पेश किया है। यों भी इस बार लोगों की नौकरियों या कारोबार पर वैसा संकट नहीं है, जैसा पिछली बार था। हाल ही में पीरामल हेल्थकेयर के अजय पीरामल ने एक वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में कहा कि बाजार की धीमी रफ्तार के कई फायदे भी हैं। सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे घरेलू बाजार में एकता देखने को मिलती है, जिससे लोगों का निवेश ज्यादा सुरक्षित रहता है। उन्होंने कहा कि बाजार की वर्तमान स्थिति से निराश होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जल्द ही रोजगार और काम के कई नए अवसर सामने आएंगे। खासतौर से फार्मास्यूटिकल कंपनियों में। जानकारों का यह भी मानना है कि आने वाले समय में महंगाई के कम होने की भी संभावना है, जिससे हो सकता है कि तेल समेत दूसरी घरेलू चीजों के दामों में गिरावट देखने को मिले।